Roll. No. :

S-3130

M.A. (III Sem.) Examination, 2024-25

हिन्दी

[Paper - III ग (PGHIN-303)]

[जयशंकर प्रसाद]

Time : 2:30 Hours] **[M.M. : 80**

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं– खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' से किन्हीं चार चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही कीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×5 = 20

1. कामायनी महाकाव्य के अंतर्गत 'श्रद्धा' सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की प्रमुख महिला पात्र 'ध्रुवस्वामिनी' के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन करो।

https://www.sdsuvonline.com

4. 'अंधा युग' के आधार पर 'युयुत्सु' का चरित्र चित्रण कीजिये।
5. आजादी के बाद हिन्दी रंगमंच के विकास पर टिप्पणी लिखिये।
6. 'बर्टोल्ट ब्रेख्ट' के 'अभिनय सिद्धान्त' पर प्रकाश डालिये।
7. 'नाट्यं सत्वे प्रतिष्ठितम्' भरत मुनि के इस कथन की समीक्षा कीजिये।
8. जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक नाटकों पर अपने विचार लिखिये।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 4×15 = 60

1. 'हिन्दी रंगमंच' के उद्भव व विकास पर प्रकाश डालिये।
2. अंधा युग नाटक की मूल संवेदना पर विचार व्यक्त कीजिये।
3. सामयिक रंगमंच पर अभिनीत किसी एक नाटक की रंगमंचीय समीक्षा करते हुए अपने विचार व्यक्त कीजिये।
4. 'रूपक' का परिचय देते हुए इसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिये।
5. भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिये।
6. नाटक और रंगमंच के अंतः संबंध पर विस्तार से प्रकाश डालिये।
7. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
8. अंधेर नगरी नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिये।

****

https://www.sdsuvonline.com